विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण की शपथ ली

सीएसआईआर-सीरी, विज्ञान भारती-राजस्थान एवं परिष्कार कॉलेज द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का संयुक्त आयोजन

विज्ञान भारती - राजस्थान द्वारा परिष्कार कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेंस, सीएसआईआर-सीरी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस गरिमामयी ढंग से मनाया गया। इस कार्यक्रम में उपर्युक्त संगठनों के प्रतिनिधियों सहित गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभागिता की। इस आयोजन में पर्यावरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए इसके व्यावहारिक समाधान पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित गणमान्य अतिथि

पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए मंचस्थ अतिथिगण एवं उपस्थित प्रतिभागी एवं विद्यार्थीवृंद

इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सभी गणमान्य अतिथियों एवं उपस्थित प्रतिभागियों ने **पर्यावरण संरक्षण की शपथ** ली।

इस अवसर पर डॉ. पी. सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी द्वारा "प्लास्टिक कचरा प्रसंस्करण @ सीएसआईआर-सीरी (Plastic Waste Processing @ CSIR-CEERI)" विषयक **की-नोट व्याख्यान** दिया गया। अपने व्याख्यान में डॉ. पंचारिया ने प्लास्टिक कचरे से उत्पन्न हो रहे पर्यावरणीय संकट को रेखांकित करते हुए कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण के कारण स्थिति बहुत गंभीर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारा संस्थान इस स्थिति के प्रति पूर्णतया सजग है और इसके समाधान के लिए शोधरत भी है। उन्होंने सीएसआईआर-सीरी द्वारा प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन के लिए विकसित की जा रही नवीन प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये प्रौद्योगिकियाँ न केवल प्लास्टिक कचरे का दक्षतापूर्वक प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) और पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) करती हैं, बल्कि हमारे पर्यावरण में प्रवेश करने वाले प्लास्टिक कचरे की मात्रा को भी कम करती हैं। अपने व्याख्यान में उन्होंने सभी नागरिकों से प्लास्टिक प्रदूषण के नियंत्रण में अपना दायित्व निभाने का आह्वान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में की-नोट व्याख्यान देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम में प्रदेश के प्रमुख संगठनों के पर्यावरण वैज्ञानिक, कार्यकर्ता, नीति-निर्माता और शिक्षाविद् शामिल थे। विद्वान वक्ताओं ने बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि, स्थायी कृषि, और नवीकरणीय ऊर्जा पर अपने विचार व्यक्त किए। विशेषज्ञ वक्ताओं ने सर्वसम्मति से कहा कि इन समस्याओं

को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए सरकारी स्तर पर सहयोग के साथ-साथ सामाजिक भागीदारी, और प्रौद्योगिकी नवाचार सहित बहुआयामी दृष्टिकोण आवश्यक है। व्याख्यान के उपरांत डॉ राघव प्रकाश, निदेशक, परिष्कार ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ ने डॉ पंचारिया को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी एवं श्रोतागण

इस कार्यक्रम के दौरान आयोजित परिचर्चा सत्र में छात्रों, संकाय सदस्यों, और प्रबुद्ध स्थानीय लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक समाधान जैसे कंपोस्टिग, वर्षा जल संचयन, और स्वत: अथवा जैविक रूप से समाप्त होने योग्य (बायोडिग्रेडेबल) सामग्री पर प्रस्तुतीकरण दिए।

आगामी वर्ष में एक करोड़ वृक्ष लगाने का संकल्प पारित करते हुए मंचस्थ अधिकारीगण

विज्ञान भारती-राजस्थान के सचिव **डॉ मेघेन्द्र शर्मा** ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हम प्रतिभागी संस्थाओं एवं संगठनों के सहयोग से आगामी एक वर्ष में प्रदेश में एक करोड़ पौधे लगाने का संकल्प ले रहे हैं जिससे तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन का मुकाबला किया जा सके और पारिस्थितिकीय संतुलन को बनाए रखा जा सके। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण का हमारा संकल्प हरित राजस्थान के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में परिष्कार कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सिलेन्स, जयपुर की प्रधानाचार्या **प्रोफेसर सविता पाइवाल** ने **धन्यवाद ज्ञापित** किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित अन्य गतिविधियाँ

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण विषयक जागरूकता के लिए छात्रों द्वारा साइकिल रैली निकाली गई। इसके अलावा वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के **लिए 'एक पेड़ देश के नाम'** अभियान की भी शुरुआत की गई। इन कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

"पर्यावरण जागरूकता साइकिल रैली" का दृश्य

"एक पेड़ देश के नाम" अभियान का शुभारंभ करते हुए विद्यार्थी एवं शिक्षकवृंद

इस प्रकार विश्व पर्यावरण दिवस पर विज्ञान भारती – राजस्थान, सीएसआईआर-सीरी एवं परिष्कार कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सिलेंस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ।